SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

मुहावरे एवं लोकोक्ति

Part -4

LIVE 12-06-2024 06:00 PM

103. आंखें फिरना - उपेक्षा करना / निरादर करना

104. ईंट से ईंट बजाना - नष्ट भ्रष्ट कर देना / पूरी तरह से परास्त करना

105. उंगली पड़कर पहुँचा पकड़ना - जरा सा सहारा प्रकार अधिकार जमाने की कोशिश करना

106. सूरज को दिया दिखाना - किसी महान व्यक्ति की तुच्छ प्रशंसा करना

107. घी के दिए जलाना - अत्यंत प्रसन्न होना / हर्ष / खुशी प्रगट

108. चुल्लू भर पानी में डूब मरना - शर्म के मारे मुंह ना दिखाना

109. लकीर का फकीर होना - पुराने विचारों का होना

110. हाथ के तोते उड़ना - होश गुम हो जाना

111. चांदी के जूते मारना - रुपए पैसा का लालच देना

112. कलेजे पर सांप लेटना - डाह करना

113. लकीर का फकीर होना - अंधविश्वासी होना

11:00 AM

रस्सी सांप

114. थूक कर चाटना - कही हुई बात से मुकर जाना

115. अंचल पकड़ना (थामना) - सहारा देना

116. सिर पर पांव रखकर भागना - तुरंत भाग जाना

117. तिल का ताड़ बनाना - छोटी से बात को बढ़ा देना

118. नाक बच जाना - इज्जत बच जाना

119. खेत रहना - युद्ध में शहीद होना

120. घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध का अर्थ है - घर के ज्ञानी को सम्मान नहीं

(बाहर के व्यक्ति को इज्जत देना)

121. कोई इर घाट तो कोई बीर घाट का अर्थ है - ताल-मेल न होना

122. आ बैल मुझे मार का अर्थ है - जान बूझकर मुसीबत में पड़ना

123. आम के आम गुठलियों के दाम का अर्थ है – दोहरा लाभ होना

124. हाथ कंगन को आरसी क्या का अर्थ है - प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं

पढ़े लिखे को फारसी क्या

125. आप डूबे तो जग डूबा का अर्थ है - बुरा आदमी सबको बुरा कहता है

126. तेल देखों तेल की धार देखो का अर्थ है - रूख पहचानना

127. ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर का अर्थ है –

कठिन काम शुरू करने पर कष्ट तो सहन करने ही पड़ते हैं

128. जैसे बहे बयार, पीठ तब तैसी दीजे का अर्थ है - समय का रुख

देखकर काम करना चाहिए

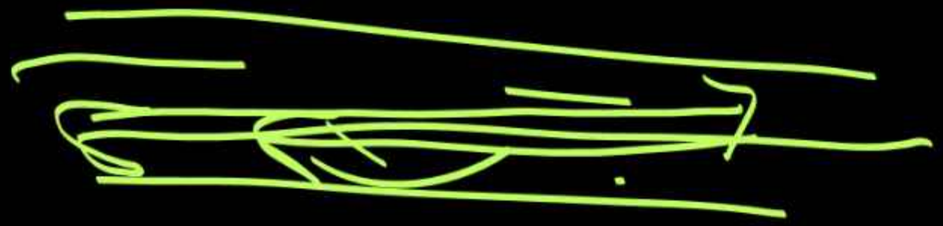

129. एक तो करेला आप तीता दूजा नीम चढ़ा' का अर्थ है -

बुरे का और बुरे से संग होना

130. चूहे के चाम से नगाड़े नहीं मढ़े जाते कहावत का सही अर्थ –

चमड़ा

सीमित साधनों से बड़े काम नहीं होते है

131. अपना सोना खोटा तो परखैया के का दोष? –

अपने ही लोग बुरे हों तो पराये व्यक्तियों को क्या दोष दिया जाए?

132. आग खायेगा तो अंगार उगलेगा - बुरे काम का बुरा नतीजा

133. आगे जाए घुटने टूटे, पीछे देखे आँख फूटे - जिधर जाएँ उधर ही संकट

134. आदमी को ढाई गज़ कफ़न काफ़ी है - इंसान को सन्तोष करना चाहिए।

135. आपा तजे तो हरि को भजे - स्वार्थ छोड़ने से ही परमार्थ होता है।

136. आस-पास बरसे दिल्ली पड़ी तरसे – जिसको आवश्यकता हो, उसे न मिले।

137. इतनी सी जान, गज़भर ज़बान -

अवस्था के हिसाब से अधिक बोलना

138. करमहीन खेती करे, बैल मरे या सूखा पड़े -

दुर्भाग्य होने पर सभी काम बिगड़ते हैं।

कहावत

139. घड़ी में तोला, घड़ी में मासा; पल में तोला, पल में मासा –

अनिश्चित स्वभाव का व्यक्ति